Catholic Diocese of Gorakhpur
Bishop's House, Civil Lines, Gorakhpur
Uttar Pradesh – 273 001, INDIA

Ref. No. D.G. Pas. 02/24

30th December, 2024

(To be read during the Community Mass on 1st Sunday of the Advent)

ख्रीस्त में मेरे प्रिय पुरोहित–भाइयो, धर्मबहिनो, धर्म–भाइयो, सेमिनारियन्स, विश्वासीगण और प्यारे बच्चो,

आगमन काल में कलीसिया द्वारा अपनी सन्तानों को पवित्र अवसर प्रदान किया जाता है कि वे ईश्वर द्वारा की गई प्रतिज्ञा में विश्वास रखें, पवित्रता में अपने आपको नया बनायें और प्रभु येसु के जन्मदिन पर प्रकट हुई महिमा के साक्षी बनें। इस संदर्भ में आने वाला वर्ष 2025 और भी अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इस जयंती–वर्ष का विषय '**आशा के तीर्थयात्री**' है। ख्रीस्तजयंती के तुरन्त बाद शुरू होने वाला **जयंती वर्ष 2025**, आशा की अवधि साबित होगी। इस आगमन की अवधि में, हम अपने हृदयों को उद्धारकर्ता येसु मसीह के आगमन के लिए, तैयार करें।

आशा रखने का समय: यह आशा हमें निराश नहीं करती क्योंकि ईश्वर का प्रेम, पवित्र आत्मा के द्वारा हमारे हृदयों में उड़ेला गया है। रोमियों के नाम संत पौलुस के पत्र में हम सुनते हैं, "**आशा व्यर्थ नहीं होती, क्योंकि ईश्वर ने हमें पवित्र आत्मा प्रदान किया है और उसके द्वारा ही ईश्वर का प्रेम हमारे हृदयों में उमड़ पड़ा है।**" (रोमि 5:5) आगमन का समय आशा का समय है, यह हमें याद दिलाता है कि मसीह ही हमारी आशा हैं। जैसे नबियों ने मसीह की प्रतीक्षा अटल विश्वास के साथ की थी, वैसे ही हम मसीह की, हमारे जीवन में जन्म लेने की प्रतीक्षा करें। यह आशा तब पूरी होती है, जब मसीह हमारे जीवन में और हमारे परिवार में जन्म लेते हैं। इस आशा को पूरी तरह से अपने जीवन में अनुभव करने के बाद, हमें उन लोगों के लिए आशा का माध्यम बनने के लिए बुलाया जाता है, जो निराश, उदास और पीड़ाओं से गुजर रहे हैं। हमें इस आशा को उन लोगों तक पहुँचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिन्होंने अब तक येसु के प्रेम को अनुभव नहीं किया है। यह आशा हमें ईश्वर की विश्वसनीयता पर भरोसा कायम रखते हुए जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है।

मनपरिवर्तन का समय: रोमियों के नाम पत्र अध्याय 12 की पद संख्या 2 में हम पढ़ते हैं, "**आप इस संसार के अनुकूल न बनें, बल्कि सब कुछ नयी दृष्टि से देखें और अपना स्वभाव बदल लें। इस प्रकार आप जान जायेंगे कि ईश्वर क्या चाहता है और उसकी दृष्टि में क्या भला, सुग्राह्य तथा सर्वोत्तम है।**" आगमन काल में कलीसिया सभी विश्वासियों को आध्यात्मिक जागृति और नविनीकरण के लिए आमंत्रित करती है। आध्यात्मिक जागृति का अर्थ है: अपने हृदय की जाँच करना और अपने जीवन को सुसमाचार के मूल्यों के अनुसार बिताना। हम ख्रीस्तीयों के लिए यह आत्म–निरीक्षण और सुसमाचार के मूल्यों को जीवन में अपनाने का समय है। आज भौतिकवादी संसार का आकर्षण और प्रलोभन, हम पर प्रहार कर रहा है, विशेष रूप से हमारे बच्चे और युवा दिन–प्रतिदिन इस उपभोक्तावादी संस्कृति में फंसते जा रहे हैं। हमारे ख्रीस्तीय मूल्य धीर–धीरे कम होते जा रहे हैं। आईये हम इस आगमन के समय को अर्थपूर्ण बनायें ताकि इसके द्वारा हमें आध्यात्मिक नविनीकरण और जागृत होने में सहायता मिले।

आध्यात्मिक नविनीकरण का समय: जैसाकि अभी हमने सुना, "**आप इस संसार के अनुकूल न बनें, बल्कि सब कुछ नयी दृष्टि से देखें और अपना स्वभाव बदल लें।**" यह हमारे जीवन में आध्यात्मिकता प्रकट होने के लिए दी गई शिक्षा है। आगमन का समय हमें अपने जीवन और परिवार को नविनीकृत और प्रभु तथा एक–दूसरे के साथ अपने सम्बन्धों को सुधारने का अवसर देता है। आईये हम एक–दूसरे

से क्षमा माँगे और आपस में मेल–मिलाप करें। हमारे हृदय में एक–दूसरे के प्रति जो कटु–भावनायें हैं, वे मसीह को ग्रहण करने की तैयारी में बाधा न बनें। जब हम अपने घरों और गिरजाघरों में आगमन की मोमबत्ती जलाते हैं, तो हम प्रार्थना करें कि संसार की ज्योति मसीह, हमारे जीवन और परिवारों का समस्त अंधकार दूर कर दे।

<u>विश्वसनीय साक्षी बनने का समयः</u> प्रेरित–चरित अध्याय 1 पद संख्या 8 में लिखा है, "**किन्तु पवित्र आत्मा तुम लोगों पर उतरेगा और तुम्हें सामर्थ्य प्रदान करेगा और तुम लोग येरुसालेम, सारी यहूदिया और समारिया में तथा पुथ्वी के अन्तिम छोर तक मेरे साक्षी होंगे।**" मसीह में बप्तिस्मा ग्रहण किये हुए ख्रीस्तीय भाई–बहिनों के लिए आगमन का समय अपने विश्वास का साक्ष्य देने का अवसर है। हम अपने परिवारों और जीवन की परिस्थितियों के अनुकूल विश्वास का साक्ष्य दे सकते हैं। आज हमारे चारों तरफ बदलते हालात, हम ख्रीस्तीयों से साहसपूर्ण साक्ष्य की मांग करते हैं। दया और परोपकार के कार्यों के माध्यम से, हमें उस विश्वास की गवाही देनी चाहिए जो हमें बप्तिस्मा द्वारा प्राप्त हुआ है। इस आगमन के समय अपने विश्वास का साक्ष्य देने के लिए हम मौके तलाशें और उनका उपयोग करें। येसु मसीह हमारे उद्धारकर्ता के जन्म का शुभ संदेश अपने आस–पड़ोस में साझा करें। मसीह के प्रेम, शांति और आनन्द के मिशनरी बनकर अपने आस–पास के लोगों के लिए हम प्रेरणा बनें।

<u>तैयारी का समयः</u> आगमन का समय हमें न केवल शारीरिक रूप से बल्कि आध्यात्मिक रूप से बालक येसु को अपने व्यक्तिगत जीवन और अपने घरों में स्वागत करने के लिए, तैयारी करने का अवसर देता है। ख्रीस्तजयंती की तैयारी में हम अपने घरों को सजायेंगे, चरनी बनायेंगे और अपने रिश्तेदारों और मित्रों का स्वागत करेंगे। इसी प्रकार हमसे आन्तरिक और आध्यात्मिक तैयारियों की अपेक्षा की जाती है। हमें आमंत्रित किया जाता है कि हम अपने हृदयों को, शांति के राजकुमार के जन्म के लिए एक सुन्दर स्थान बनायें। आईये हम आध्यात्मिक तैयारी में ज्यादा से ज्यादा समय बितायें और अपने हृदयों को प्रभु को ग्रहण करने के लिए तैयार करें।

यह आगमन का समय, हम सभी को मनन–चिन्तन करने, तैयारी करने और मसीह के आगमन के लिए स्वयं को नवीनीकृत करने के लिए आमंत्रित करता है। आईये हम हमारे ख्रीस्तीय जीवन को अर्थपूर्ण बनायें। इस पर्व की तैयारी में हमारा आध्यात्मिक नविनीकरण कठिन परिस्थिति में भी विश्वास का साक्ष्य देने में हमारा मार्गदर्शन करे।

आप सभी को कृपा से परिपूर्ण ख्रीस्तजयंती की शुभकामनाएँ! मेरी यह प्रार्थना है कि चरनी में जन्में बालक येसु, आपके ख्रीस्तीय जीवन का केंद्र बनें। नव वर्ष 2025 आपके व्यक्तिगत और परिवारिक जीवन में कल्याण और समृद्धि लेकर आये।

आप सब लोगों को प्रभु येसु के नाम पर आर्शीवाद देते हुए और इस पुण्य अवधि को अच्छी तैयारी के लिए बिताने की कृपा मांगते हुए,

मसीह में आपका सेवक,

बिशप मैथ्यू नेल्लिकुन्नेल सी.एस.टी.
धर्माध्यक्ष, कैथोलिक धर्मप्रान्त, गोरखपुर

✆0551 - 2332723, 2342357,9569222157 ✉ dioceseofgorakhpur@gmail.com, bpmathewnellikunnelcst@gmail.com